क्या कहना लखदातारी का | By Meenu Sharma

श्याम सांवरे क्या कहना तेरी लखदातारी का
तूने बोझ उठा रखा है सारी दुनियादारी का

होकर के परेशान मैंने जैसे ही तेरा नाम लिया
सुनते ही आवाज़ मेरी बिन कहे मेरा हर काम किया
उठा लिया बीड़ा मैंने तेरी सेवादारी का
तूने बोझ उठा रखा है सारी दुनियादारी का

सेवादारी में तेरी आनंद मुझे अब आता है
एक तेरे सिवा सांवरिया मेरे दिल को ना कोई भाता है
रखता ख्याल हमेशा अपने हर पुजारी का
तूने बोझ उठा रखा है सारी दुनियादारी का

बन गया दीवाना तेरा जिसने तेरी और निहारा है
हर हारे हुए को आकर के तूने दिया सहारा है
कैसे बयां करूमैं किस्सा ज़िम्मेदारी का
तूने बोझ उठा रखा है सारी दुनियादारी का

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a4%96%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-meenu-sharma/